RE: LOSS OF CREDIBILITY OF AIR INDIA DUE TO MISBEHAVIOUR OF ITS STAFF WITH PASSENGERS OF AIR INDIA

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता (मध्य प्रदेश): मैडम, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैडम, मैंने आज ही सिविल एविएशन मंत्री जी को मज़बूरी में पत्र लिखा। घटना इस प्रकार की है, जो महत्व की है। एअर इंडिया का जो हाल है, जो दुर्व्यवस्था आजकल चल रही है जिसके कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, उसका मैं कुछ प्रत्यक्ष उदाहरण देना चाहता हूं। अभी 26 तारीख को एअर इंडिया की 422 नई दिल्ली से सिंगापुर होकर जापान जाने वाली जो फ्लाईट थी जिसमें 25 लोगों के कंफर्म टिकट थे, उन लोगों को उसमें स्थान नहीं मिला। अब आप अंदाजा लगा सकते हैं, कंफर्म टिकट के 25 यात्रियों को उसमें जगह नहीं मिली और सारे यात्री वहां आकर परेशान हुए। उन्हें होटलों में ठहरना पड़ा और दूसरे दिन भी फ्लाईट में उनको जगह नहीं मिली। जापान की कांफ्रेंस में भोपाल के मेअर और बड़ौदा के मेअर जिनको भागीदारी करनी थी, मि० उमाशंकर गुप्ता और डा० मोदी उनको भारी परेशानी हुई है। मैं चाहता हूं कि सिविल एविएशन मंत्री जी, कहते हैं कि सारी दुनिया में यह चल रहा है ओवरबुकिंग का मामला दुनिया में है और वह एलाउ कर रहे हैं, मेरी समझ में नहीं आता कि आप किस तरह से यह एलाउ करना चाहते हैं? कंफर्म टिकट का मतलब क्या है? उनको जो परेशानी हुई, कांफ्रेंस में पहुंचे नहीं है, 58 हजार रुपये की उनकी वापसी की टिकट है, लेकिन इतना लाइटली सिविल एविएशन मिनिस्ट्री लेगी और करप्शन का मेअर साहब का यह आरोप था, कि वहां की लंबी लाइनों में इनको खड़े होना पड़ा। एक प्राइवेट पार्टी जिससे 20-22 लोगों के पैसे ले करके ये टिकट वहां पर दे दिए गए और इनको वहां से खाली हाथ लौटा दिया गया।

मैं आशा करता हूं कि सिविल एविएशन मिनिस्टर इस प्रकरण की जांच करायेंगे और आज ही मैंने उनको पत्र भी लिखा है। यह घटना 26 तारीख की है और जो फ्लाईट है वह 422 है जो कि नई दिल्ली से जापान जाने वाली है। मैं यह भी आशा करता हूं कि इस तरह की गलतियां और यह जो ओवर बुकिंग का मामला है जिसमें भ्रष्टाचार को प्रोत्साहन मिला है, यह तत्काल बंद होना चाहिए और यह बहुत ही आपत्तिजनक है। धन्यवाद।

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश): मैडम, यह बहुत ही गंभीर मामला है और इसके लिए आप डाइरेक्ट करिए।

श्री गोविन्दराम मिरी (मध्य प्रदेश): उपसभापति महोदया, मैं भी अपने को इससे सम्बद्ध करता हूं।

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam, the hon. Minister is there.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (DEPARTMENT OF CIVIL AVIATION) SHRI G.Y. KRISHNAN): Madam, I have taken note of it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am sorry. The Ministers were not allowed to speak in the last Session. Still I have to acclimatise myself with new Ministers. Mr. Krishnan, have you taken note of it?

RE : SERIOUS POWER SHORTAGE IN KERALA STATE

SHRI E. BALANANDAN (Kerala): Madam, thank you for allowing me to raise a very serious problem of power shortage in the State of Kerala. Madam, 70 per cent power cut is imposed on industries and seven hours' load shedding is imposed on other consumers. The present situation is, if the power position is not going to improve within a month, zero-power supply will be there. This is the situation in the State. This situation has been created by the policies which are being pursued by the Government with regard to the power development in the State. In the last 20 years, no power project has been sanctioned by the Central Government. Every time, in every case, the Government tried to stop the power projects from coming up in that State. The grounds may be different. The per capita power consumption in the whole of India is more than 220 units, whereas in Kerala, it is 200 units. In the last 20 years, we did not have any kind of development in the power sector. Therefore, Madam, we wanted the Government to do two things; one immediate and another long-term. Firstly, the Government should immediately ensure the supply of 25 million units of power per day from the Central unallocated pool of power.